VISION IAS

www.visionias.in

30 DEC 2021

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 1513)

Name of Candidate	Dinesh Kumar		
Medium Eng./Hindi	Hindi	Registration Number	58740
Center	Mukherjee Nagar	Date	30-12-21

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1	10	
2	10	
3	10	
4	10	
5	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	10	
10	10	
11	15	
12	15	
13	15	
14	15	
15	15	
16	15	
17	15	
18	15	
19	15	
20	15	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न–पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are **TWENTY** questions printed in **ENGLISH & HINDI**
   इसमें बीस प्रश्न हैं अंग्रेजी और हिन्दी में छपे हैं।
3. **All questions are compulsory.**
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं;
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न–सह–उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

16-B, 2nd Floor, Above National Trust Building, Bada Bazar Marg, Old Rajinder Nagar, Delhi-110060

Plot No. 857, 1st Floor, Banda Bahadur Marg (Opp Punjab & Sindh Bank), Dr. Mukherjee Nagar Delhi- 110009

EVALUATION INDICATORS

1. **Contextual Competence**
2. **Content Competence**
3. **Language Competence**
4. **Introduction Competence**
5. **Structure - Presentation Competence**
6. **Conclusion Competence**

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. In the context of protection of monuments, explain the role of the Archaeological Survey of India (ASI). Also, comment on the challenges faced by ASI and measures taken to address these. **(150 words) 10**

स्मारकों के संरक्षण के संदर्भ में, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की भूमिका की व्याख्या कीजिए। साथ ही, ASI द्वारा सामना की जाने वाली चुनौतियों और उनसे निपटने के लिए किए गए उपायों पर टिप्पणी कीजिए।

भारत में पुरातत्वों के संरक्षण हेतु लार्ड कर्जन के समय से पुरातत्व संरक्षण अधिनियम के माध्यम से प्रयास शुरु हो गए थे। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) की स्थापना के पश्चात संस्थागत प्रयासों को बढ़ावा मिला है।

स्मारकों के संरक्षण में ASI की भूमिका

① स्मारकों का रख-रखाव

- यह प्राचीन भारतीय स्मारकों को जीर्ण-शीर्ण होने से बचाने हेतु अध्ययन करता है।

यथा- लाल किला, ताजमहल आदि

② नए स्थलों की खोज

- सिंधु घाटी सभ्यता तथा उसके बाद के समय की वस्तुओं की खोजबीन करके उनका काल निर्धारित करता है।

उदा॰ हरियाणा में राखीगढ़ी स्थल की खोज।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ वित्त उपलब्ध कराना
- सर्वेक्षण हेतु वित्त उपलब्ध कराता है तथा खोजों को प्रोत्साहित करता है

④ संग्रहालयों में वस्तुएं सुरक्षित
- प्राचीन कालीन वस्तुएं विभिन्न संग्रहालयों मे सुरक्षित रखी है।

ASI की चुनौतियां

→ कुशल अध्ययनकर्त्ताओं की कमी।
→ आवश्यक वित्तीय संसाधनों का अभाव।
→ क्षेत्रीय कार्यालयों का नहीं होना।
→ सरकारी सहायता कम प्राप्त होना
→ आधुनिक तकनीकों तक पहुँच नहीं होना।

ASI की चुनौतियों से निपटने के उपाय

↳ विश्व की श्रेष्ठ संस्थाओं से अनुबंध करना।
↳ सरकार पर्याप्त संसाधन उपलब्ध कराए।
↳ सरकार स्थानीय संस्थाओं व NGO का सहयोग ले।
↳ व्यापक प्रचार-प्रसार किया जाए।

ASI को समृद्ध व प्रासंगिक बनाने के लिए कला व संस्कृति मंत्रालय को विश्व की आधुनिक तकनीके उपलब्ध कराते हुए जनता तक इसकी उपलब्धियां पहुंचानी चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. Tribal art has a huge potential for acting as an economic resource and a tool for socio-economic transformation of tribals in India. Elucidate. Also highlight the challenges in this context. **(150 words) 10**

जनजातीय कला में भारत में जनजातियों के सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन के लिए एक आर्थिक संसाधन एवं एक उपकरण के रूप में कार्य करने की असीम क्षमता है। स्पष्ट कीजिए। साथ ही, इस संदर्भ में विद्यमान चुनौतियों को भी रेखांकित कीजिए।

जनजातीय समुदाय में स्थानीय स्तर पर उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों के माध्यम से विभिन्न क्षेत्रों में प्रगति करने की अद्भुत विशेषता रही है।

जैसे- - वास्तुकला में लकड़ी के घर बनाना।
- बांस से पुल का निर्माण (मेघालय)।
- तीरंदाजी आदि खेल, मार्शल कला (थांग टा, मलखम्ब)

सामाजिक - आर्थिक परिवर्तन के लिए संसाधन व उपकरण

① परम्परागत ज्ञान
- इस ज्ञान से आधुनिक तकनीक का समन्वय कर बेहतर उत्पाद बनाए जा सकते हैं।
जैसे- प्राकृतिक रंगों से चित्रकारी।
- लकड़ी के खिलौने।
- औषधीय पादप (अश्वगंधा, तुलसी)

② सतत विकास
- बिना पर्यावरण नुकसान के प्राकृतिक साधनों से निर्माण की क्षमता विद्यमान है।
उदा. शहद उत्पादन, गोंद व लाख प्राप्त करना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) वनोत्पाद का TRIFED जैसी संस्था के माध्यम से विपणन।

(4) मातृसत्तात्मक समाज से भारतीय समाज की पितृसत्तात्मक सोच कमजोर होगी।

(5) आदिवासी द्वारा प्रकृति के साथ समन्वय स्थापित होता है।
उदा॰ गुजरात गिर वन मे मालधारी जनजाति द्वारा एशियाई शेरों का संरक्षण।

इस संदर्भ में चुनौतियां

↳ जनजातियों की क्षमताओं की पहचान न होना।
↳ उन्हे आधुनिक तकनीकों व बाजार से नहीं जोड़ पाना।
↳ विकास के नाम पर उनके प्राकृतिक आवास की क्षति
↳ सरकारी नीतियों में उनका स्थान कम है।
↳ जनजातीय लोगों में व्याप्त रूढ़िवादी प्रथाएं।

सरकार को जनजातीय कला की क्षमताओं व संभावनाओं को चिह्नित कर उन्हे व्यापक सहयोग देते हुए एक मंच उपलब्ध कराना चाहिए ताकि वे भारतीय समाज के साथ ही उनका स्वयं का विकास सुनिश्चित कर सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. Though the Government of India Act, 1919 proposed some radical administrative changes, it remained short of fulfilling aspirations of Indians. Elaborate. (150 words) 10

यद्यपि भारत सरकार अधिनियम, 1919 ने कुछ मौलिक प्रशासनिक परिवर्तनों का प्रस्ताव किया, तथापि यह भारतीयों की आकांक्षाओं को पूरा करने में असमर्थ रहा। सविस्तार वर्णन कीजिए।

मोंटेग्यु - चेम्सफोर्ड की घोषणा के अनुरूप भारत सरकार अधिनियम -1919 का निर्माण हुआ।

इसमें मौलिक प्रशासनिक परिवर्तन

↳ द्वैध शासन प्रणाली
↳ कुछ विभाग भारतीयों को दिए गए परन्तु अधिकांशतः मुख्य विभाग गवर्नर जनरल के पास थे।

↳ पृथक निर्वाचन (Separate Electorate) को बढ़ावा गया। महिलाओं, सिक्खों तक विस्तार।

↳ स्वशासन की बात को स्वीकार किया।

↳ मताधिकार परन्तु निश्चित संपत्ति होना जरूरी

भारतीयों की आकांक्षाएं पूरी करने मे असफल रहा।

① वास्तविक सत्ता ब्रिटिश ने अपने पास रखी

जैसे - सिंचाई विभाग (भारतीय)
वित्त विभाग
कृषि विभाग > (ब्रिटिश)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) सार्वभौमिक ~~मौलिक~~ मताधिकार अधिकार व प्रतिनिधित्व लागू नहीं हुए

(3) पृथक निर्वाचन व्यवस्था से भारतीयों का बंटवारा हो रहा था।

(4) स्वशासन की मांग को लागू नहीं किया गया।

(5) रोलट- एक्ट जैसे प्रावधान काले कानून की तरह भारतीयों का दमन कर रहे थे।

(6) ~~अधिनियम~~ के भारतीयों का आर्थिक शोषण खत्म नहीं हुआ।

अतः 1919 के अधिनियम में अपेक्षानुरूप भारतीयों को कुछ भी नहीं मिला। इसलिए जनता का रोष बढ़ता गया है जो बाद में असहयोग आंदोलन में सामने आया।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. Often deemed as the 'forgotten conflict', the Korean War had far-reaching implications. Elucidate. (150 words) 10

प्रायः 'विस्मृत संघर्ष' के रूप में ज्ञात कोरियाई युद्ध के दूरगामी प्रभाव थे। स्पष्ट कीजिए।

कोरियाई युद्ध उत्तर कोरिया व दक्षिण कोरिया के मध्य हुआ था। इसमें उत्तर कोरिया का समर्थन रूस तथा दक्षिण कोरिया का समर्थन USA कर रहा था।

विस्मृत संघर्ष

→ यह वस्तुतः वैश्विक महाशक्तियों रूस तथा USA की आपसी प्रतिद्वन्द्विता के कारण हुआ था। विस्मृत संघर्ष इसलिए कहा जाता है कि कोरिया के दोनों भागों में वैश्विक प्रयासों से शांति स्थापित हुई तथा तत्पश्चात् कोई प्रत्यक्ष युद्ध नहीं हुआ।

कोरियाई युद्ध के दूरगामी प्रभाव

→ समाजवादी (साम्यवादी) विचारधारा के साथ उत्तर कोरिया तथा पूंजीवादी विचारधारा के साथ दक्षिण कोरिया रहा

→ विश्व के अन्य देशों को सबक मिला और वे महाशक्तियों की राजनीति का शिकार होने से बचे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ दक्षिण कोरिया ने व्यापक स्तर पर आर्थिक विकास किया तथा एक विकसित देश के रूप में सामने आया। वहीं उत्तर कोरियाई रूस क्षेत्र से आगे बढ़ा।

→ दक्षिण कोरिया में लोकतंत्र, मौलिक अधिकार आदि आधुनिक विचारों का प्रसार हुआ, वहीं उत्तर कोरिया में तानाशाही प्रवृत्ति सामने आयी।

इससे यह स्पष्ट हुआ कि एक ही देश के दो भागों का अलग-अलग तरीकों से विकास होने पर अलग-अलग आर्थिक विकास का स्तर प्राप्त हुआ।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. Explaining the origin of earth's magnetism, discuss its significance with special reference to its interaction with solar particles. **(150 words) 10**

पृथ्वी के चुम्बकत्व की उत्पत्ति की व्याख्या करते हुए, सौर कणों के साथ इसकी अंतःक्रिया के विशेष संदर्भ में इसके महत्व पर चर्चा कीजिए।

पृथ्वी के गर्भ में अनेक तत्व जैसे आयरन, मैग्नीशियम, निकल आदि विद्यमान है। ये अनुचुंबकीय तत्व है। पृथ्वी की गति के कारण इसके चारों तरफ एक विशाल चुंबकीय क्षेत्र का निर्माण होता है। इसे 'भू-चुंबकत्व' कहते है।

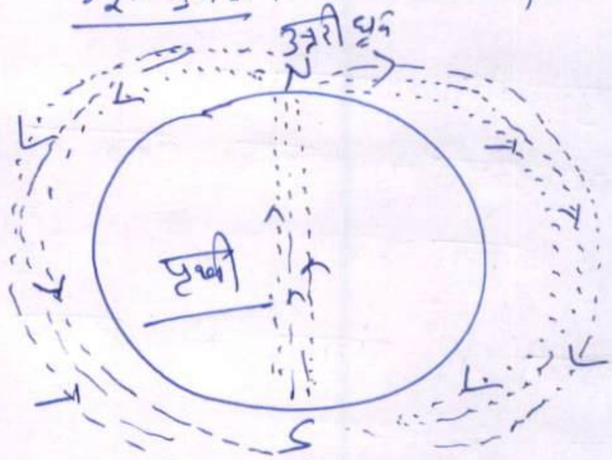

सौर कणों के साथ अंतः क्रिया

① भू-चुंबकत्व सौर फ्लेयर्स व सौर पवनों को प्रभावित करता है।

② उच्च प्रबलता की सौर किरणों को पृथ्वी वायुमण्डल में आने से रोकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) चुंबकत्व की गति के कारण एक आवेशित विद्युत क्षेत्र का भी निर्माण होता है। इसके भी विपरीत आवेशित कणों में आकर्षण तथा समान आवेशित कणों में प्रतिकर्षण होता है। इससे आवेशित सौर कणों में प्रतिकर्षण होता है

(4) पृथ्वी को गर्म होने से बचाता है

(5) वायुमंडलीय परिवर्तन यथा - बादल बनना, वर्षा होना आदि में कोई नकारात्मक प्रभाव पड़ने से बचाता है

(6) पृथ्वी पर संचार को बाधित होने से बचाता है।

अतः सौर विकिरणों व पवनों (सौर) से पृथ्वी की सुरक्षा चुंबकीय क्षेत्र करता है इससे जीवन आसान हो जाता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Discussing the challenges pertaining to dam safety in India, highlight the potential of Dam Rehabilitation and Improvement Project to address them. **(150 words) 10**

भारत में बांध सुरक्षा से संबंधित चुनौतियों पर चर्चा करते हुए, उन्हें दूर करने के लिए बांध पुनर्वास और सुधार परियोजना की क्षमता पर प्रकाश डालिए।

भारत में बांध निर्माण व सुरक्षा से संबंधित विकास पर ध्यान एम० विश्वेश्वरैया के समय से दिया जा रहा है परन्तु कुछ त्रुटियों के कारण कई बार बड़ा नुकसान उठाना पड़ता है।

बांध सुरक्षा से संबंधित चुनौतियां

(1) भू-गर्भिक – भारत भूकंप-संवेदनशील क्षेत्र है। इस कारण बांध की सुरक्षा की चिंता रहती है।

(2) अधिक जल प्रवाह – वर्षा के समय अधिक पानी से बांध की क्षमता से ज्यादा पानी खतरा उत्पन्न करता है।

(3) तकनीकी ज्ञान – उच्च तकनीकी ज्ञान के अभाव के चलते बड़े बांध की निर्माण में दिक्कत आती है

(4) विस्थापन – बड़े स्तर पर जनजातियों का विस्थापन सामाजिक व कानूनी समस्या उत्पन्न करता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

③ बाढ़ – इससे बांध के आस-पास की भूमि जलमग्न होने से बांध सुरक्षा व मरम्मत कार्य मुश्किल होता है

बांध पुनर्वास व सुधार परियोजना समता

↳ बाँधों की समय पर मरम्मत हो सकेगी।

↳ आवश्यकता से अधिक पानी का संचय नहीं होगा। इससे बांध टूटने का भय समाप्त।

↳ बिजली उत्पादन बढ़ेगा।

↳ स्थानीय आबादी का पुनर्वास सुरक्षित स्थानों पर होगा

↳ भूकंप संवेदनशीलता के अनुसार बांध की गुणवत्ता।

अतः यह परियोजना भारत में बाँधों की सुरक्षा के साथ ही विकास प्रक्रिया को तीव्र करेगी। इससे बांधों की पूर्ण क्षमता का उपयोग हो सकेगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. What is understood by Carbon Compensation Depth (CCD)? Discuss the implications of the rise in this depth due to anthropogenic warming as well.
(150 words) 10

कॉर्बनेट क्षतिपूर्ति गहराई या कार्बन कंपनसेशन डेप्थ (CCD) से क्या अभिप्राय है? साथ ही, मानवजनित तापन (एंथ्रोपोजेनिक वार्मिंग) के कारण इस गहराई में हुई वृद्धि के निहितार्थों की भी विवेचना कीजिए।

कार्बन कंपनसेशन डेप्थ (CCD) से तात्पर्य है कि कार्बन व प्रदूषण के चलते हो, उसकी क्षतिपूर्ति करने हेतु आवश्यक सुधारात्मक उपाय। अर्थात, लगातार कार्बन प्रदूषण (CO_2, H_2CO_3) के कारण अधिक सकारात्मक उपाय यथा - वनारोपण, कार्बन कैप्चरिंग व स्टोरेज आदि उपायों को अपनाना पड़ेगा।

→ अधिक प्रदूषण ↑ अधिक CCD ↑

मानवजनित तापन के कारण वृद्धि के निहितार्थ

① मानवजनित तापन CCD में वृद्धि करता है। इसके ग्रीन हाउस प्रभाव के कारण कार्बन सांद्रता बढ़ती जाती है। फलतः अधिक सुरक्षात्मक उपाय अपनाने पड़ेंगे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

(2) मानव स्वास्थ्य पर बुरा प्रभाव पड़ेगा।

(3) वैश्विक तापमान से CCD बढ़ेगा, अतः वैश्विक तापमान कम करने के उपायों पर अधिक जोर देना होगा। e.g. COP-21 की अनुपालना।

(4) विभिन्न प्रोजेक्ट्स की लागत बढ़ जाती है।

(5) अधिक सुधारात्मक उपाय विश्व स्तर पर अपनाने की जरूरत है।

(6) मरुस्थलीकरण रोकना, सौर ऊर्जा जैसे गैर-परंपरागत स्रोतों को बढ़ावा, जनता में जागरूकता आदि प्रभावी उपाय निकालकर इसे संतुलित किया जा सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Explaining the concept of social mobility and its relationship with equality, mention the impediments in ensuring it. **(150 words) 10**

सामाजिक गतिशीलता की अवधारणा और समानता के साथ इसके संबंध की व्याख्या करते हुए, इसे सुनिश्चित करने में आने वाली बाधाओं का उल्लेख कीजिए।

सामाजिक गतिशीलता से तात्पर्य है सामाजिक परंपराओं, प्रथाओं या रूढ़ियों में समय के अनुसार सकारात्मक परिवर्तन आना।

अर्थात समाज पुरातन व्यवस्था जो भेदभावकारी है, उसे छोड़कर आधुनिक समतावादी अवधारणा को अपनाता है।

सामाजिक गतिशीलता व समानता का संबंध

→ सामाजिक गतिशीलता सामाजिक भेद यथा- छुआछूत, जातिवादी सोच, पितृसत्तात्मक सोच, क्षेत्रीय हित या जाति हित आदि से ऊपर उठकर मानवता को मुख्य तत्व मानती है। इससे समानता का मार्ग खुलता है।

⇒ यह समाज के सभी वर्गों को सम्मानजनक स्थान देती है। बिना किसी बंधन के

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

सभी वर्गों को सभी कार्य करने की छूट देती है

→ समाज को आधुनिक तार्किक विचारों से समन्वय बनाती है

इसे सुनिश्चित करने में बाधाएँ

1. पुरातन मूल्यों से लगाव – आज भी परंपरागत सोच यथा- पुरुषवादी, जातिवादी, धार्मिकता आदि से लोगों का सुदृढ़ जुड़ाव बना हुआ है।

2. जागरूकता का अभाव – लोग नए सामाजिक मूल्यों से जागरूक नहीं है।

3. गरीबी – अधिकांशतः वंचित वर्ग आर्थिक रूप से पिछड़े रहे है। इस कारण अपने अधिकारों का उपयोग करने मे प्रभावी रूप से समर्थ नहीं है।

4. सामाजिक दबाव – नए मूल्यों को अपनाने वाले व्यक्ति को रूढ़िवादियों का दबाव झेलना पड़ता है जैसे- प्रेम विवाह पर 'ऑनर किलिंग'

अतः इन बाधाओं को शिक्षा, जागरूकता से दूर करके सामाजिक गतिशीलता को बढ़ा सकते है। इससे स्वतः सामाजिक समानता का मार्ग प्रशस्त होगा।

9. In view of demographic changes in recent decades, do you think India needs a two-child policy? Discuss in light of various strands of the debate surrounding this issue. **(150 words) 10**

हाल के दशकों में जनसांख्यिकीय परिवर्तनों को देखते हुए, क्या आपको लगता है कि भारत में दो-बच्चों की नीति (टू चाइल्ड पॉलिसी) की आवश्यकता है? इस मुद्दे से संबंधित बहस के विभिन्न पहलुओं के आलोक में चर्चा कीजिए।

हाल ही में घोषित 'नेशनल फैमिली हैल्थ सर्वे' (NFHS-5) के अनुसार भारत के अधिकांश राज्यों में सकल प्रजनन दर (TFR) 2.1 से कम हो गई है।

भारत को दो-बच्चों की नीति की आवश्यकता है	आवश्यकता नहीं है
(1) इससे भारत जनसंख्या नियंत्रण कर सकेगा।	(1) भारत पहले से जनसंख्या नियंत्रण रखने पर है।
(2) अनुमान के अनुसार 2040 तक भारत चीन को पीछे छोड़ देगा	(2) चीन ने स्वयं दो-बच्चों की नीति से आगे बढ़ने का निर्णय लिया है
(3) भारत के संसाधनों पर आर्थिक व सामाजिक दबाव कम होगा।	(3) भारत की TFR 2.1 से कम होती जा रही है। 'Ageing population' की समस्या अधिक हो रहेगी।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अतः भारत को वर्तमान मे '2 चाइल्ड पॉलिसी' की जरूरत नहीं है।

चूंकि भारत 1952 से ही 'परिवार कल्याण कार्यक्रम' अपना रहा है। इस कारण भारत ने जनसंख्या के मामले में इस दिशा मे सुधारात्मक कदम उठाए है। अतः भारत का TFR कम हो गया है। स्वतः ही भारत की जनसंख्या जागरूक होकर अपनी आवश्यकतानुसार कम बच्चों को जन्म दे रही है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. Globalization is incredibly efficient but has so far been incredibly unjust. Examine the statement in the context of developing countries like India. (150 words) 10

वैश्वीकरण अद्वितीय रूप से दक्ष है परन्तु अब तक अत्यधिक अन्यायपूर्ण रहा है। भारत जैसे विकासशील देशों के संदर्भ में इस कथन का परीक्षण कीजिए।

वैश्वीकरण में एक- दूसरे देश की संस्कृति, विचार, रहन- सहन, खान-पान को अपनाया जाता है। विश्व का 'आपसी' जुड़ाव बढ़ता जाता है।

अद्वितीय रूप से दक्ष है

- उन्नत चीजों व तकनीकों का पता चलता है
- विश्व की श्रेष्ठ प्रक्रियाओं को सीखते हैं।
- रोजगार के बेहतर अवसर प्राप्त हुए
- विकास प्रक्रिया तेजी से आगे बढ़ी है

अत्यधिक अन्यायपूर्ण

- विकसित देशों ने पिछड़े व विकासशील देशों के साथ ज्यादा लाभ कमाया है।
- परंपरागत मूल्य व संस्कार धूमिल हुए हैं
- आय की असमानता बढ़ी है
  (ऑक्सफैम इंडिया रिपोर्ट में 1% धनी लोगों के पास 60% आय है)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

→ युवा वर्ग के विभिन्न इत्यादि जैसे - नशा, यौन स्वच्छन्दता आदि का प्रभाव बढ़ा है।

→ अकेलापन प्रवृत्ति बढ़ रही है

→ इलेक्ट्रॉनिक गजट के साथ ही पूरा समय व्यतीत हो रहा है, माता-पिता, भाई-बहन के साथ समय व्यतीत करना दूर की बात हो गई है।

→ वैश्विक संस्थाओं की भूमिका भी प्रभावशाली देशों की पक्षधर रही है।

अतः वैश्वीकरण ने सकारात्मक व नकारात्मक दोनों प्रभाव डाले हैं। यदि इसके नकारात्मक प्रभाव कम कर दिए जाए तो निश्चित रूप से पूरे विश्व के लिए लाभदायक होगा।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. "It would not be completely wrong to state that in India, art is religion and religion is art." In light of the statement, discuss the impact of various religions on art in India, citing relevant examples. **(250 words) 15**

"यह कहना पूर्णतः गलत नहीं होगा कि भारत में कला ही धर्म है और धर्म ही कला है।" इस कथन के आलोक में, प्रासंगिक उदाहरण देते हुए भारत में कला पर विभिन्न धर्मों के प्रभाव पर चर्चा कीजिए।

भारत में धर्म का प्रभाव गहराई से हर क्षेत्र पड़ा है। कला भी इससे अछूती नहीं है। चूंकि प्राचीनकाल व मध्यकाल में कला के धर्म से जुड़े से इसका धर्म के साथ स्वाभाविक विकास हो रहा था।

भारत में कला पर विभिन्न धर्मों का प्रभाव

① वास्तुकला - भारत मे वास्तुकला पूर्णतः मन्दिर निर्माण से जुड़ी हुई थी। वास्तुकला की विभिन्न शैलियां यथा- नागर शैली, द्रविड़ शैली, बेसर, पंचायतन आदि मंदिर-निर्माण से संबंधित है। अर्थात धर्म का स्पष्ट प्रभाव इस पर नजर आता है

② चित्रकला -
भारत में गुफा चित्रों से लेकर वर्तमान हवेलियों के चित्रों तक देवी-देवताएं, ऋषि-मुनि आदि का प्रभाव स्पष्ट है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उदा० अजन्ता गुफाए, एलोरा गुफाए, बाघ की गुफाए बौद्ध धर्म, जैन धर्म, हिन्दुधर्म से संबंधित है।

इसी तरह चित्रकला की 'अरबेस्क शैली' इस्लाम से संबंधित है।

→ खजुराहो के मंदिर, भित्ति चित्रों के लिए हवेलियां, घरों मे चित्रकारी आदि सब पर धर्म का प्रभाव स्पष्ट है।

(3) संगीत कला
- भारत मे संगीत की शुरूआत ही सामवेद से है जो (वैदिक ग्रन्थ है) इसके पश्चात. ध्रुपद, खयाल, कव्वाली, भजन, वाणी, कीर्तन आदि धर्म से प्रत्यक्षतः जुड़े हुए है। इनमें अमीर खुसरो, चैतन्य महाप्रभु आदि का नाम आता है

(4) नृत्यकला
भारत के शास्त्रीय नृत्य भरतनाट्यम मंदिर मे देवदासियों द्वारा ईश्वर को समर्पित है।
इसी तरह कथकली मे राधा-कृष्ण का प्रभाव

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

मणिपुरी नृत्य कीर्तन से प्रभावित है, सत्रिय नृत्य (असम), कथक तथा कुचीपुड़ी सभी मंदिरों में ही होते थे।

अतः स्पष्टतः कहा जा सकता है कि कला के सभी रूपों का विकास धर्म के नाम पर ही हुआ है। इसी कारण धर्म का प्रभाव ज्यादा नजर आता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. Despite organizational apathy from the Indian National Congress in its initial years, the working class in various parts of the country subsequently participated overwhelmingly in the nationalist movement. Discuss.

(250 words) 15

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के प्रारंभिक वर्षों में संगठनात्मक रूप से इससे दूर रहने के बावजूद, देश के विभिन्न हिस्सों में मजदूर वर्ग ने बाद में राष्ट्रवादी आंदोलन में प्रभावशाली रूप में भाग लिया। चर्चा कीजिए।

भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थापना 28 दिसंबर, 1885 को ए० ओ० ह्यूम द्वारा भारत में राष्ट्रीय स्तर पर संगठन निर्माण के उद्देश्य से की गई ताकि अखिल भारतीय स्तर पर संगठन बनाकर अंग्रेजों का मुकाबला किया जा सके।

प्रारंभिक वर्षों में संगठन से दूरी

→ इस संगठन में उदारवादी नेताओं का प्रभाव था। वे ब्रिटिश सत्ता के माध्यम से भारत में सुधार चाहते थे। इसलिए, इन उदारवादी नेताओं को भारत के राजाओं तथा जनता में विश्वास नहीं था क्योंकि वे सब बँटे हुए थे।

→ कांग्रेस का प्रारंभिक स्वरूप उच्च वर्गीय था। अतः आम जनता की इससे दूरी थी।

→ जनता मे राष्ट्रवादी भावनाओं का संचार नहीं हो पाया था। वे निजी हितों को पहचान नहीं पा रहे थे।

→ गरीबी, बेरोजगारी, भूखमरी व्याप्त थी। लोगों के पास आजीविका चलाने के लिए ही कम समय था।

इन कारणों से जनता का प्रारंभिक जुड़ाव सीमित रहा था।

बाद मे राष्ट्रवादी आंदोलनों में भाग लिया

→ विभिन्न धार्मिक- सामाजिक सुधार आंदोलन यथा आर्य समाज, ब्रह्म समाज, जनजातीय आंदोलन आदि से जनता में राष्ट्रवाद की भावना का संचार हो रहा था।

→ बाद के लोगो ने कांग्रेस का स्वरूप आम जनता की अनुकूल कर दिया। गांधीजी के आगमन के पश्चात, गांवो में रचनात्मक कार्य करके जनता का व्यापक जुड़ाव किया।

→ नमक, चरखा, पू-स्वराज आदि मुद्दे से व्यक्तिगत हित व राष्ट्रीय हित एक हो गए। अतः जनता स्वतः इससे जुड़ने लगी

→ गांधीजी ने खेड़ा आंदोलन, चंपारण आंदोलन, आदि के माध्यम से किसानों व मजदूरों की समस्याओं का समाधान प्रदान था।

अतः कांग्रेस को गांव-गांव तक ले जाकर इसका अखिल भारतीय स्वरूप बनाया गया। अब ब्रिटिश का मुकाबला करना आसान हो गया था।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. Though some of his early measures restored faith among the Indians in the liberal tradition of England, Lord Ripon's tenure did not bring about significant changes in the conservative mindset of the colonial bureaucracy. Comment. **(250 words) 15**

यद्यपि लॉर्ड रिपन द्वारा किए गए कुछ शुरुआती उपायों ने इंग्लैंड की उदार परंपरा में भारतीयों के विश्वास को पुनर्बहाल किया, तथापि उसके कार्यकाल में औपनिवेशिक नौकरशाही की रूढ़िवादी मानसिकता में महत्वपूर्ण बदलाव नहीं हुए। टिप्पणी कीजिए।

लॉर्ड रिपन का उदारवादी चेहरा था जिसने भारतीयों के असंतोष को कम करने के लिए प्रशासन को 'गैर-[illegible]' पूर्ण बनाने का प्रयास किया। जैसे -

⇒ इलबर्ट बिल - भारतीय जजों को भी ब्रिटिश आरोपियों के मुकदमे सुनने का अधिकार दिया गया था। इससे ब्रिटिश अधिकारी नाराज हो गए। उन्होंने पुरजोर विरोध किया और अंततः यह बिल वापस लेना पड़ा।

⇒ प्रशासन में भारतीयों की संख्या बढ़ाई गई।

→ गवर्नर जनरल की काउंसिल में भी भारतीयों की संख्या बढ़ाई गई।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

भारतीयों का विश्वास पूर्णह्रास

- रिपन के समय हुए इन सकारात्मक उपायों को देखकर भारतीयों को लगा अंग्रेज उनके भले के लिए है। वे भारत का भौतिक विकास यूरोप की भांति कर देंगे। यहाँ लोकतंत्र, समानता आदि मूल्यों का विकास होगा।

परन्तु यह सब ब्रिटिश अपने दीर्घकालिक हितों की पूर्ती करने के लिए कर रहे थे।

औपनिवेशिक नौकरशाही की मानसिकता में बदलाव नहीं

- नौकरशाही ब्रिटिश सत्ता के प्रति जवाबदेही थी। अतः वे सिर्फ ब्रिटिश सर्वोच्चता को ही महत्त्व देते थे।

→ श्वेत को अश्वेत से ज्यादा योग्य समझते थे अर्थात, नस्लीय भावना थी

→ शोषणकारी प्रवृत्ति उनमें समाहित थी

→ भारत सिर्फ एक साधन मात्र था ताकि यहां से लाभ उठाकर ब्रिटेन को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समृद्ध बनाया जा सके।

→ वे 'श्रेष्ठता की भावना' से पीड़ित थे। उनका मानना था कि यूरोपीय ज्ञान ही श्रेष्ठ है। इस कारण भारतीयों के प्रति कोई सहानुभूति नहीं थी।

औपनिवेशिक नौकरशाही की इस भावना का थोड़ा-बहुत प्रभाव आज स्वतंत्र भारत की नौकरशाही में भी दिखता है जब वे स्वयं को शासक समझकर जनता के प्रति संवेदनशील नहीं रहते हैं।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. The New Social Movements in post-independence period made an important beginning in awakening the society against injustices and deepened the very notion of democracy in India. Discuss. **(250 words) 15**
स्वातंत्र्योत्तर अवधि में नए सामाजिक आंदोलनों ने अन्याय के विरुद्ध समाज को जागरूक बनाने में एक महत्वपूर्ण शुरुआत की और भारत में लोकतंत्र की धारणा को सुदृढ़ किया। चर्चा कीजिए।

स्वातंत्र्योत्तर पश्चात् भारत में ब्रिटिश सत्ता से तो आजादी मिल गई थी परन्तु समाज में व्याप्त बुराईया भेदभाव, छुआछूत, स्त्रीभेद आदि कम नहीं हुए थे। इस कारण सामाजिक आंदोलनों के माध्यम से इनके विरुद्ध आवाज उठी।

| सामाजिक आंदोलनों से समाज की जागरुकता |

① जातिवाद के विरुद्ध
- भारत में जातीय व्यवस्था के विरुद्ध कई संगठन खड़े हुए। जैसे- उत्तर-भारत में बामसेफ, दक्षिण भारत में द्रमुक।
— कांशीराम ने बामसेफ के माध्यम से लोगो को जागरूक कर राजनीतिक भागीदारी सुनिश्चित की।

② स्त्री-भेद के विरुद्ध
– महिलाओं को बराबरी का अधिकार दिलाने के लिए अरुणा आसफ अली, सुचेता कृपलानी आदि के नेतृत्व में कई संगठनों ने आंदोलन किया।

③ आय की असमानता के विरुद्ध
भारत में भूमि सुधार आंदोलन सही से सफल नहीं हुआ। इसलिए नक्सलवादी आंदोलन शुरू हुआ जो बाद में हिंसक हो गया

④ बाल श्रम के विरुद्ध
– बचपन बचाओ आंदोलन आदि कई संगठनों ने बच्चों के संरक्षण व विकास के लिए कार्य किया।

लोकतंत्र की धारणा सुदृढ़

→ इन आंदोलनों ने समानता व अधिकार-युक्त समाज निर्माण को

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बढ़ावा दिया। सामाजिक एकता पर बल दिया। समाज के सभी वर्गों के अधिकारों की बात की। इससे समतामूलक समाज की नींव रखी गई।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

15. What are the reasons for recurrent and often catastrophic wildfires in places like Australia and the United States? Are there any lessons to be learnt from these events by India? Explain adequately. **(250 words) 15**
ऑस्ट्रेलिया और संयुक्त राज्य अमेरिका जैसे देशों में बार-बार और प्रायः विनाशकारी वनाग्नि के क्या कारण हैं? क्या भारत को इन घटनाओं से कोई सीख लेनी चाहिए? विस्तारपूर्वक व्याख्या कीजिए।

आस्ट्रेलिया तथा USA प्राकृतिक तथा मानव जनित कारणों से वनाग्नि का शिकार रहे है।

बार-बार व विनाशकारी अग्नि के कारण

① ग्लोबल वार्मिंग
इससे तापमान बढ़ता है। फलतः घर्षण से अग्नि वनों मे लग जाती है।

② चीड़ के पेड़
– इसके सूखे पत्ते जल्दी अग्नि पकड़ते है तथा सम्पूर्ण क्षेत्र मे फैल जाती है।

③ शुष्क हवाओं का चलना
– इनके कारण घर्षण ज्यादा होता है तो वनाग्नि घटनाएं ज्यादा होती है
वर्तमान मे इनकी बारंबारता बढ़ रही है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(4) भौगोलिक अवस्थिति
— अमेरिका शीतोष्ण कटिबंध में वहां शुष्क जलवायु है। इस कारण अग्नि जल्दी फैलती है।

भारत के लिए सीख

(1) उत्तराखण्ड में ब्रिटिश शासन के समय से चीड़ के पेड़ लगाए गए थे। इससे यहां भी वनाग्नि होती रहती है। इस कारण सरकार को सतर्क रहते हुए इन पेड़ो को बढ़ावा नहीं देना चाहिए

(2) सरकार को ग्रीष्म ऋतु आगमन से पहले निरोधात्मक उपायों पर जोर देना चाहिए। यथा – आबादी को वहां से हटाना
- संवेदनशील क्षेत्रों के निकट पानी की व्यवस्था
- आपदा राहत दल को तैयार रखना।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(3) प्राकृतिक क्षेत्रों में मानव गतिविधियों पर अंकुश लगाए जो वनाग्नि का कारण हो सकती है।

(4) आकाशीय बिजली से होने वाली घटनाओं को रोकने हेतु विविध स्थानों पर तड़ित चालक का प्रयोग हो।

इस प्रकार भारत अपनी वनाग्नि को कम कर सकता है ताकि क्षति को न्यूनतम किया जा सके।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

16. Discuss why India needs a cross border flood management mechanism. Also, state the major issues in cross border flood management and suggest remedial measures in this context. **(250 words) 15**

चर्चा कीजिए कि भारत को सीमा-पार बाढ़ प्रबंधन तंत्र की आवश्यकता क्यों है। साथ ही, सीमा-पार बाढ़ प्रबंधन से जुड़े प्रमुख मुद्दों को वर्णित करते हुए इस संदर्भ में उपचारात्मक उपायों का सुझाव दीजिए।

भारत में प्रवाहित होने वाली कई नदियां दूसरे देशों में भी प्रवाहित होती है ~~ताकि~~ इसलिए साझा प्रबन्धन आवश्यक हो जाता है।

जैसे - ब्रह्मपुत्र (चीन - भारत)
सिन्धु (भारत - पाकिस्तान)
तीस्ता (भारत - बांग्लादेश)
कोसी (भारत - नेपाल)

सीमा-पार बाढ़ प्रबंधन तंत्र की आवश्यकता

① नदी जल स्तर जानना
- भारत, चीन के सहयोग से ब्रह्मपुत्र नदी जल के डेटा का उपयोग कर पानी के प्रवाह की जानकारी लेता है ताकि असम को बाढ़ से बचाया जा सके।

② समय पर कार्रवाई
- अधिक जल स्तर पता होने पर

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

बाढ़ से संबंधित उपायों को लागू किया जा सकता है। जैसे - जनता का विस्थापन आदि

(3) द्वारा साक्षात्करण से नीति-निर्माण

- इससे भारत, नेपाल से आने वाली नदियों के जल स्तर को ध्यान में रखकर छोटी नदी के जल प्रवाह से बिहार-बाढ़ से बच सकता है।

(4) विद्युत उत्पादन

- तेज प्रवाह से विद्युत उत्पादन की संभावनाओं को गति मिलती है।

(5) नौ परिवहन

- सीमित अवधि में नौ परिवहन नदी-मार्ग पर हो सकता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

सीमा-पार बाढ़ प्रबंधन से जुड़े मुद्दे

↳ चीन से भारत का सीमा विवाद।
↳ चीन का कपटपूर्ण व्यवहार।
↳ नेपाल के पास उन्नत तकनीक न होना।
↳ आपसी विश्वास की कमी।
↳ समय पर डेटा नहीं मिलना।

उपचारात्मक उपाय

↳ बाढ़ डाटा को 'गैर-विवादित' रखा जाए।
↳ आपसी विश्वास बढ़ाती रहे।
↳ संयुक्त राष्ट्र संघ सीमा-पारीय नदियों के डाटा साझाकरण को अनिवार्य बनाए।
↳ समय-समय पर विचार-विमर्श होना चाहिए
↳ भारत 'उपग्रह-प्रौद्योगिकी' के आधार पर स्वयं 'बाढ़ या जल प्रवाह' का पता लगाने की उन्नत तकनीक विकसित करे।
↳ विश्व के विकसित देशों का सहयोग ले।

इस तरह भारत उन्नत तकनीकी, आपसी संवाद से इस समस्या से निजात पा सकता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

17. Depletion of water resources in India is both a geo-climatic phenomenon as well as a result some short-sighted government policies. Discuss.

(250 words) 15

भारत में जल संसाधनों का ह्रास एक भू-जलवायु (जियो-क्लाइमेटिक) घटना के साथ-साथ कुछ अदूरदर्शी सरकारी नीतियों का परिणाम है। चर्चा कीजिए।

भारत में संपूर्ण विश्व की 17% जनसंख्या पर परन्तु पानी संसाधन मात्र 2% है। इस प्रकार जल संसाधन भारत के लिए एक महत्त्वपूर्ण कारक रहा है।

जल संसाधन ह्रास भू-जलवायु घटना है

→ भारत में मरुस्थल भू-भाग का होना।
→ बारहमासी नदियां कम है
→ वर्षा मानसून से होती है, जो अनिश्चित है
→ वर्षा का वितरण असमान है।
→ भू-गर्भ जल निम्न स्तर पर जा रहा है
→ उष्ण कटिबंध में होने के कारण सूर्यातप ज्यादा है, फलतः ज्यादा पानी की जरूरत है
→ पानी की उपलब्धता कारण से भारत में कम रही है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

अदूरदर्शी सरकारी नीतियों का परिणाम है

1) जल-गहन कृषि
- गन्ना, धान आदि से भूगर्भ जल का निष्कर्षण ज्यादा हुआ है।

2) दूषित जल-स्रोत
- प्राकृतिक स्रोत दूषित होने से उनका जल उपयोगी नहीं है।

3) जल-संरक्षण पर ध्यान नहीं
पारंपरिक जल संरक्षण तरीकों यथा - बावड़ी, टांका, सोहना, कुआं आदि की उपेक्षा हुई है

4) नदी-जोड़ो परियोजना क्रियान्वित नहीं
- इससे जल-आधिक्य क्षेत्र से कम जल वाले क्षेत्र को पानी मिल सकता था।

5) जागरूकता की कमी
- जल-संरक्षण के प्रति जनता में जागरूकता अभियान काफी समय बाद शुरु हुआ है।

यदि भारत में समय रहते इस समस्या

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

पर ध्यान दिया होता तो ये वर्तमान की तरह विकराल नहीं होती है। आज गर्मी के मौसम में कई शहरों में समस्या भयंकर रूप ले लेती है। अतः सरकार नीति-निर्माण के माध्यम से समय रहते इस पर ध्यान दे, तो इससे निजात पाई जा सकती है।

18. What are the major lithospheric plates? How and why do these plates move? **(250 words) 15**

प्रमुख स्थलमंडलीय प्लेटें कौन-सी हैं? ये प्लेटें कैसे और क्यों गति करती हैं?

प्लेट - भू-भाग का वह भाग है जो पृथ्वी सतह से 100 किमी (लगभग) गहराई तक विस्तृत है तथा गतिशील रहता है।

ये दो तरह की होती है

महासागरीय	महाद्वीपीय प्लेट
(पतली, भारी)	(मोटी, हल्की)
Si, Al	Si, Mg
e.g. प्रशान्त महासागरीय प्लेट।	e.g. अफ्रीकन प्लेट

→ कुछ प्लेट मिश्रित होती है अर्थात महाद्वीपीय भी, महासागरीय भी

यथा - इण्डियन प्लेट।

प्रमुख प्लेट - यूरेशियन प्लेट
- अफ्रीकन प्लेट
- उत्तरी अमेरिकन प्लेट
- दक्षिणी अमेरिकन प्लेट
- आस्ट्रेलियन प्लेट

प्लेटों की गति

ये तीन तरीकों से गति करती है

(1) विनाशात्मक प्लेट गति (अभिसारी)

एक - दूसरे की तरफ (face to face) गति करती है।

उदा॰ इण्डियन प्लेट तथा यूरेशियन प्लेट की गति। हिमालय का निर्माण

(2) रचनात्मक प्लेट (अपसारी)

एक - दूसरे से दूर गति होती है

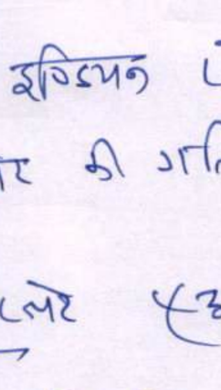

- भ्रंशोय पर्वत
- रिफ्ट वैली

} बनते हैं

उदा॰ नर्मदा नदी | सतपुड़ा पर्वत | तापी नदी

(3) संरक्षणात्मक प्लेट

समानांतर गति होती है

उदा॰ सैन एंड्रियास फॉल्ट

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

गति का कारण

विभिन्न संपीड़नात्मक व तनाव बलों के प्रभाव में गति करती है।

इससे विविध स्थलाकृतियों का निर्माण होता है।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

19. There exists a wide gap between the constitutionally professed secularism and its practice in India. Do you agree? Substantiate with relevant arguments. **(250 words) 15**

संवैधानिक रूप से घोषित पंथनिरपेक्षता और भारत में इसे व्यवहार में लाने के बीच एक व्यापक अंतर मौजूद है। क्या आप इससे सहमत हैं? प्रासंगिक तर्कों के साथ पुष्टि कीजिए।

भारत की प्रस्तावना भारत को पंथनिरपेक्ष देश घोषित करती है।

संविधान में पंथनिरपेक्षता

→ सर्वधर्म समभाव

- सभी धर्मों को एक समान संरक्षण
- → सभी धर्मों को प्रचार - प्रसार व संस्थाओं की स्थापना का अधिकार (अनुच्छेद 25 - 28)

व्यवहारिक अंतर

- कई बार कुछ लोगों द्वारा धर्म विशेष के पक्ष में जोर देकर नीति-निर्माण प्रभावित किया जाता है।
- कई बार सत्ता का समर्थन भी उन तत्वों को हासिल होता है

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

- अल्पसंख्यक समुदाय में असुरक्षा भावना पैदा होती है
- मॉब लिंचिंग घटनाएं जो धर्म आधारित है, वे अधिक हुई है

वस्तुतः कुछ असामाजिक तत्वों से इस पंथनिरपेक्षता की भावना को कमजोर करने का प्रयास किया जाता है परन्तु आज भी जनसंख्या का बहुत बड़ा भाग इस बात में दृढ़ विश्वास रखता है कि भारत की पंथनिरपेक्षता सभी धर्मों को एक समान संरक्षण देती है।

अराजक तत्वों पर सख्त कानूनी कार्रवाई होनी चाहिए।

उदा० - दिल्ली दंगे वस्तुतः सांप्रदायिक दंगे थे। (2019)
- मुजफ्फरनगर दंगे (2013) में सांप्रदायिक दंगे।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

परन्तु भारत में आज भी अधिकांश लोग इनका कड़ा विरोध करते है ताकि पैत्रिपेक्ष भावना अक्षुण्ण रहे।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

20. India spends less than one per cent of GDP on care work infrastructure and services. In view of the statement, explain how increased public investment in care economy infrastructure can be instrumental in meeting multiple policy objectives. **(250 words) 15**

भारत द्वारा देखभाल से संबंधित अवसंरचना और सेवाओं पर जी.डी.पी. के एक प्रतिशत से भी कम व्यय किया जाता है। इस कथन के आलोक में, स्पष्ट कीजिए कि देखभाल अर्थव्यवस्था अवसंरचना (केयर इकोनॉमी इंफ्रास्ट्रक्चर) पर सार्वजनिक निवेश में वृद्धि कई नीतिगत उद्देश्यों को पूरा करने में कैसे सहायक हो सकती है।

देखभाल अवसंरचना पर कम खर्च होने से उपयुक्त वातावरण का निर्माण नहीं होता है इससे कार्य क्षमता पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

देखभाल अर्थव्यवस्था में सार्वजनिक निवेश से नीतिगत उद्देश्य

⇒ सिल्वर इकोनॉमी
(वृद्धावस्था देखभाल से संबंधित निवेश
। सिल्वर इकोनॉमी का निर्माण करता है) एक तरफ भारत में रोजगार सृजन, पूंजी का उपयुक्त निवेश होता है, वहीं सुविधाओं का विकास होता है।

⇒ क्रेच सुविधा
– बच्चों के लिए कार्यस्थल पर क्रेच सुविधा। महिलाओं की भागीदारी

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

बनाती है।

⇒ खेल-पार्क विकास बच्चों में अच्छा स्वास्थ्य, सांस्कृतिक गतिविधियां करने से सौहार्दता आदि का विकास होता है

⇒ लोगों का जुड़ाव
ऐसी अवसंरचना लोगों को उत्तम स्वास्थ्य, सुविधाओं के साथ एक साथ बैठने का अवसर देती है

⇒ आर्थिक विकास — इससे बीमा, पेंशन आदि योजनाओं में निवेश होता है।

इस प्रकार 'केयर इकोनॉमी' अर्थव्यवस्था पर कई रूपों में सकारात्मक प्रभाव डालती है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)